विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 27 जून 2020

वर्ग अष्टम राजेश कुमार पाण्डेय

3. धातु रूप - प्रकरणम्

क्रिया - जिस पदों से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

धातु - क्रिया के मूल रूप को संस्कृत में धातु कहते हैं। जैसे - (पठ् लिख्, चल् आदि को) धातुः कहां जाता जाता है।

संस्कृत व्याकरण में धातुओं में तिङ् प्रत्यय जोड़कर क्रिया पद बनाया जाते हैं। संस्कृत व्याकरण में लगभग 2000 धातुएँ हैं। इन्हें दस वर्गों में रखा गया है। प्रत्येक वर्ग गण कहलाता है। प्रत्येक गण का नाम उस वर्ग की पहली धातु के

नाम के आधार पर रखा गया है। एक 'गण' की सभी धातुओं के प्रायः एक प्रकार ही चलते हैं। ये दस गण तथा उनकी प्रथम धातुएं क्रमशः इस प्रकार हैं।

दस गण

1. भ्वादिगण	भू धातु
2. अयादिगण	अद् धातु
3.जुहोत्यादिगण	हु धातु
4.दिवादिगण	दिव् धातु
5.स्वादिगण	सु धातु
6.तुदादिगण	तुद् धातु
7. रूधादिगण	रूध् धातु
8.तनादिगण	तन् धातु
9.क्रयादिगण	क्रि धातु
10. चुरादिगण	चुर् धातु